सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

07

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

अध्याय-1 भाषा, लिपि और व्याकरण

बहुविकल्पी

1. विचारों या भावों के आदान-प्रदान को 2. 22 3. तीन
4. देवनागरी 5. अकर्मक

लिखित प्रश्न

(क)

अंग्रेजी	-	रोमन	पंजाबी	-	गुरूमुखी
उर्दू	-	फारसी	बंगाली	-	बांग्ला
संस्कृत	-	देवनागरी	हिंदी	-	देवनागरी
जर्मन	-	रोमन	नेपाली	-	देवनागरी

(ख) 1. पंजाबी 2. मौखिक 3. लिखित 4. व्याकरण 5. बाईस

(ग) 1. → 4 2. → 5 3. → 6 4. → 3 5. → 1
6. → 2

(घ) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. गलत
6. सही

मौखिक प्रश्न

1. हमारे मन के भावों और विचारों को प्रकट करने का माध्यम भाषा कहलाता हैं।
2. भाषा के लिखने के ढंग या विधि को लिपि कहते हैं।
3. किसी भाषा के सान के संचित कोष को साहित्य कहते हैं।
4. भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है; जैसे - राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी आदि।
5. भाषा के शुद्ध रुप और प्रयोग का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

गतिविधियाँ

(क) 1. भाषा के प्रयोग से ही समाज की उत्तरोत्तर प्रगाति होती है।
2. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार आदि प्रदेशों में।
3. भाषा के उचित प्रयोग तथा प्रचलन से ही समाज तथा राष्ट्र का का विकास होता है।
4. भाषा के शुद्ध सान से देश और समाज शिक्षित होता है।

(ख)

भारत की भाषाएँ			विश्व की भाषाएँ		
1. पंजाबी	-	पंजाब	1. अंग्रजी	-	ब्रिटेन
2. तमिल	-	तमिलनाडु	2. जर्मन	-	जर्मनी
3. मलयालम	-	केरल	3. जापानी	-	जापान
4. कन्नड़	-	कर्नाटक	4. फ्रेंच	-	फ्रांस

अध्याय-2 वर्ण-विचार

बहुविकल्पी

1. लिखने के चिह्नों को 2. बावन 3. अयोगवाह 4. चार
5. ब् + अ + ग् + ई + च् + आ 4. मुंड़ी रेखा

लिखित प्रश्न

(क)

वर्ण	उच्चारण स्थान	वर्ण	उच्चारण स्थान
ख	कंठ	द	दंत
च	तालु	ल	ओठ
ध	दंत	फ	ओठ
क	ओठ	भ	आ
		ब	दंतोष्ठ

(ख)

स्पर्श	–	क	य	द	न	प	च
अंत:स्थ	–	य	र	ल	व		
ऊष्म	–	श	ष	स	ह		

(ग) बगीचा
भालू
तालाब
बादाम
उदार
हिरन

(घ)

अनुस्वार	–	शंख	चंदर	जंग	पंख	
अनुनासिक	–	चाँद	गाँव	आवँला	साँप	
विसर्ग	–	प्रात:	नम:	शनै:	दु:ख	प्राय:
हलंत	–	शुद्ध	गद्दा	गद्य	द्वार	

(ङ)

क्षत्रिय	सानी	मित्र	पत्र	आश्रम
श्रमिक	त्रिशूल	यज्ञ	त्रता	क्षमा

मौखिक प्रश्न

1. हमारे मुख से निकलने वाली ध्वनियों के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं।
2. वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई हैं।
3. स्वरों ाक उच्चारण स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है जबकि व्यंजनों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।
4. जिल स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें हृदय स्वर कहते हैं। जिन स्वरों के उच्चारण में हृदय स्वर से दुगना समय लगता है उन्हे दीर्घ स्वर कहते हैं।
5. व्यंजन के तीन भेद हैं- स्पर्श व्यंजन, ऊष्म व्यंजन तथा अंतस्थ व्यंजन।

गतिविधियाँ

(क) 1. बच्च कच्चा सच्चा दिल्ली बिल्ली
सत्ता गत्ता भुट्टा गद्दा भद्दा

(ख) स्वयं करें।

(ग) हिंदी में अनेक विदेशी शब्दों का प्रयोग हो रहा है से विदेशी भाषाओं के शहद अब हिंदी के अंग बन गए हैं। विश्व की विभिन्न भाषाओं के शब्दों ने हिंदी भाषा को समृद्ध किया है।

अध्याय-3 शब्द-विचार

बहुविकल्पी

1. दधि 2. प्यारा 3. माह 4. योगरुढ़ 5. कूपन 6. पाठशाला

लिखित प्रश्न

(क)	आम्र	–	आम		उष्ट्	–	ऊँट
	हस्त	–	हाथ		गृह	–	घर
	अग्नि	–	आग		सप्त	–	सात
	दुग्ध	–	दूध		नयन	–	नेत्र
	भ्रातृ	–	भाई		कर्ण	–	कान
	हस्ती	–	हाथी		वानर	–	बंदर
(ख)	आँसू	–	अश्रु		नौ	–	नव
	कान	–	कर्ण		माथा	–	मस्तक
	दूध	–	दुग्ध		माह	–	मास
	हाथी	–	हस्ती		साँप	–	सर्प
	ऊँट	–	उष्ट्र		सफेद	–	श्वेत

(ग)	रुढ़	–	घर	पुस्तक	पानी	लड़ना	मिला
	यौगिक	–	हिमालय	पाठशाला	रसोईघर	पुस्तकालय्	राजपुत्र
	योगरुढ़	–	पंकज	नीलकंठ	दशानन	पंचानन	चतुर्भुज

(घ)	सिनेमा	–	अंग्रजी	चाय	–	चीनी
	किताब	–	अरबी	बिगुल	–	फ्रांसीसी
	अलमारी	–	पुर्तगाली	साबून	–	पुर्तगाली
	पुलिस	–	फ्रांसीसी	क्लब	–	अंग्रेजी

मौखिक प्रश्न

1. एक या एक से अधिक वर्णो के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
2. स्रोत के आधार पर रचना के आधार पर
3. तत्सम शब्द तथ्ज्ञा तद्तव शब्द, विदेशी शब्द तथा देशी शब्दा
4. रुढ़ शब्द, यौगिक शब्द, योगरुढ़ शब्द।

गतिविधियाँ

घट	–	घड़ा	अग्नि	–	आग
मयूर	–	मोर	कर्म	–	काम
गृह	–	घर			
सर्प	–	साँप			

अध्याय-4 शब्द रचना-उपसर्ग

बहुविकल्पी

1. शब्दांश 2. सह 3. उप 4. अन् 5. बुरा

लिखित प्रश्न

(क)	अनु	–	अनुकरण	अनुचर	उप	–	उपयुक्त	उपप्रधान
	परा	–	पराक्रम	पराभव	वि	–	विशेष	विषय
	बद	–	बदनाम	बदनीयत	ला	–	लाइलाज	लाजबाब
	निर्	–	निर्गुण	निर्मल	दुर्	–	दुर्गुण	दुर्बल
	सम्	–	संवद	संसार	स	–	सहित	ससम्मान

(ख)	सुंदर	–	असुंदर	गुण	–	अवगुण
	धर्म	–	अधर्म	विजय	–	पराजय
	सत्य	–	असत्य	मान	–	अपमान
	यश	–	अपयश	योग्य	–	अयोग्य
	डर	–	निडर	शिक्षित	–	अशिक्षित

(ग)	निर्दोष	–	निर्	दोष	अपमान	–	अप	मान
	लाइलाज	–	ला	इलाज	खुशबू	–	खुश	बू
	अवगुण	–	अव	गुण	कुचाल	–	कु	चाल
	सज्जन	–	सत्	योग्य	संगम	–	सम्	कूल
	सुयोग्य	–	सु	योग्य	प्रतिकल	–	प्रति	कूल
	प्रचार	–	प्र	चार	सराज	–	स्व	रोज

(ख)	बद	–	सूरत	अम	–	मान
	सत्	–	पाठी	हम	–	उम्र
	व्म	–	नाम	बे	–	अरब

मौखिक प्रश्न

1. उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या विशेषता उत्पन्न कर देते है।
2. हिंदी के उपसर्ग, संस्कृत के उपसर्ग, उर्दू के उपसर्ग आदि।

गतिविधियाँ

(क)

विजय	प्रशांत	अजय	चिरंजीवी
अभिषेक	अवधेश	प्रताप	विक्रांत

(ख)

निकम्मा	–	नि	कम्मा	निडर	नि:संकोच
भरपूर	–	भर	पूर	भरपेट	भरसक
दुर्बल	–	दुर्	बल	दुर्गुण	दुर्गम
लाजवाब	–	ला	जवाब	लाइलाज	लापरवाह
अपकार	–	उप	जन्म	आमरण	आजीवन
प्रबल	–	प्र	बल	प्रक्रम	प्रदत्त

अध्याय–5 शब्द रचना–प्रत्यय

बहुविकल्पी

1. दो 2. इत 3. इकहरा 4. देव + ता 5. कार

लिखित प्रश्न

(क)

इया	–	दुरिवया	चिड़िया	ता	–	मधुरता	कटुता
नी	–	ओढ़नी	भीलनी	दार	–	दुकानदार	बेलदार
ई	–	दिखावटी	देवी	भर	–	जादूगर	बाजीगर
आई	–	बड़ाई	चतुराई	तम	–	अधिकतम	न्यूनतम
आवर	–	दिखावट	बनावट	वाला–		रखवाला	मतवाला

(ख)

पढ़	+	आकू	=	पढ़ाकू	चल	+	आकू	=	चलाकू
पुभु	+	ता	=	प्रभुता	चिकना	+	आहट	=	चिकनाहट
देव	+	त्व	=	देवत्व	पंजाबी	+	इयत	=	पंजाबियत
बूढ़ा	+	पा	=	बुढ़ापा	पाँच	+	वाँ	=	पाँचवाँ
सब्जी	+	वाला	=	सब्जीवाला					

(ग)

		प्रत्य	मूल शब्द
मानवीमता	–	ता	कारीगर
व्यावहारिकना	–	ता	व्यावहारिक
जातीयता	–	ता	जातीय
दिखावटी	–	टी	दिखावट
सम्याजिकता	–	ता	सामाजिक

(घ)

	मूल शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
सुगंधित	गंध	सु	इत
विशेषता	शेष	वि	ता
उपकारी	कार्य/कार	उप	ई
बदसूरती	सूरत	बद	ई

मौखिक प्रश्न

1. वे शब्दांश जो शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन उत्पन्न कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।,
2. प्रत्यय के दो भेद हैं- कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय।

गतिविधियाँ

वान	**ता**	**एरा**	**ई**
गाड़ीवान	लघुता	चचेरा	गरमी
बलवान	प्रभुता	ममेरा	नरमी

अध्याय-6 समास

बहुविकल्पी

1. अब्ययीभाव समास 2. द्विगु समान 3. वनगमन 4. चौमासा 5. लंबोदर

लिखित प्रश्न

(क)	स्वर्गप्राप्त	-	स्वर्ग को प्राप्त	-	तत्पुरूष
	अन्न - चल	-	अन्न और जल	-	द्वद्व
	अमृतधारा	-	अमूत की धारा	-	तांपुरूष
	गजानन	-	गज के समान आनन	-	कर्मधारा
	चरणकमल	-	कमल के समान चरण	-	कर्मधारय
	चौराहा	-	चार राहों का समाहार	-	द्विगु
	आजीवन	-	जीवन भर	-	अव्ययीभाव
	दशानन	-	इस आनन हैं जिसके	-	बहुव्रीहि
	पीलांबर	-	पीत (पीले) हैं अंबर जिसके अर्थात् विष्णु	-	बहुव्रीहि
	जन्मांध	-	जन्म से अंधा	-	तत्पुरूष
	शरणागत	-	शरण में आगत (आया हुआ)	-	तत्पुरूष

(ख)	घुड़सवार	गृहप्रवेश
	नीलकमल	चौमासा
	आदमी - औरत	राजपुत्र
	नेत्रहीन	कमलनयन
	नवरत्न	चवन्नी
	स्वर्गप्राप्त	विषधर
	भरपेट	सीता-राम
	लंबोदर	बज्रदेह

(ग) 1. यथाशक्ति काम करना चाहिए।
2. मुझे चौराहे पर मिलिए।
3. कामिनी जन्मांध है।
4. अन्न-जल ग्रहण कीजिए।
5. राजपुत्र ने गरीबों में वस्त्र बाँटे।
6. घुड़सवार इधर ही आ रहा है।
7. वह रातों रात अमीर हो गया।
8. भरपेट खाओं और शांत हो जाओं।
9. भरपेट खाओं और शांत हो जाओं।
10. वह आजीवन गरीबों की सहायता करता रहा।

मौखिक प्रश्न

1. दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर एक शब्द में लिखने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
2. समास के मुख्य चार भेद हैं। 1. अत्ययीभाव 2. तत्पुरूष 3. द्वंद्व 4 बहुद्रीहि
3. समास की प्रक्रिया द्वारा बने शहर को समहन पद कहते हैं।
4. समस्तपद को अलग-अलग करके दर्शाना समान विग्रह कहलाता हैं।

गतिविधियाँ

(क)	अन्ययीभाव	-	यथाशक्ति	प्रत्येक
	तत्पुरूष	-	यज्ञशाला	गंगाजल
	बहुव्रीहि	-	पीतांबर	चक्रधर
	दवंद्रव	-	सुख-दुख	जल-वायु

(ख)	नीलकंठ	⟶	कर्मधारय	⟶	नीला है जो कंठ
			बहुव्रीहि	⟶	नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव
	द्रशसन	⟶	द्रविगु	⟶	दस आननों (मुखों) का समूह
			बहुव्रीहि	⟶	दस आनन हैं जिसके अर्थात रावण

अध्याय-7 संधि

बहुविकल्पी

1. पास-पास के वर्णों के बीच संयोग	2. तीन	3. नीरस
4. संसार	5. मतैक्य	6. वधू + ऊर्जा

लिखित प्रश्न

(क)

दीपावली	महर्षि
दीक्षांत	दुश्चरित
वनौषध	निश्छल
सूर्योदय	जगदीश
परमेश्वर	सन्मार्ग
एकैक	नद्यागमन
सवांद	नायिका
तपोबल	उल्लेख

(ख)

उत् + ज्वल	निः + रस
कब + ही	दुः + जन
सदा + एव	नै + अक
यदि + अपि	सत् + जन

स्वर संधि	–	एकैक	प्रत्येक	रबींड	महोत्सव	भावार्थ
व्यंजन संधि	–	सन्मार्ग	संतोष	संवाद	संचय	उड्डयन
विसर्ग संधि	–	निष्फल	दुश्शासन	चतुष्पाद	निश्चल	निर्धन

(घ)

उस + ही	=	उसी	बच्च + ए	=	बच्चे
यहाँ + ही	=	यही	आम + चूर	=	अमचूर
बच्चा + पन	=	बचपन	इस + ही	=	इसी

मौखिक प्रश्न

1. दो वर्णों के पारस्परिक मेल से जो विकार या परिवर्तन उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।
2. संधि तीन प्रकार की होती है- स्वर संधि, विसर्ग संधि, व्यंजन संधि।

गतिविधियाँ

(क)

जगन्नाथ	मनोयोग	संदेश
सदैव	मौन	
नीरस	स्वच्छ	

(ख)

दिनेश	जगन्नाथ	रवीन्ड	सुरेश	गनेश
सतीश	रमेश	विद्योत्तमा	महेंद्र	नागेंद्र

अध्याय-8 संज्ञा

बहुविकल्पी

1. तीन 2. भाववाचक संज्ञा 3. गंगा 4. निर्धनता 5. सज्जनता

लिखित प्रश्न

(क)	व्यक्तिवाचक	–	धनीराम	सुप्रिया	सुखीराम			
	जातिवाचक	–	साधु	जंगल	गाँव	आदमी	धन	
	भाववाचक	–	माया	लोभ	संतोष	सुख	नींद	ध्यान

(ख)

1. रजनी – व्यक्तिवाचक
2. रेलगाड़ी – जातिवाचक
3. शिमला – व्यक्तिवाचक
4. भूख – भाववाचक
5. सुंदरता – भाववाचक
6. विदयालय – जातिवाचक
7. रोशनी – व्यक्तिवाचक
8. चोरी – भाववाचक
9. थकावट – भाववाचक
10. चिड़िया – जातिवाचक

(ग)	मित्र	–	मित्रता	मीठा	–	मिठास
	बच्चा	–	बचपन	दुर्बल	–	दुर्बलता
	देव	–	देवत्व	अपना	–	अपनत्व/अपनापन
	आदमी	–	आदमीमत	खेलना	–	खेल
	नारी	–	नारीत्व	लड़ना	–	लड़ाई
	मधुर	–	मधुरता	हरा	–	हरियाली
(घ)	लड़कपन	–	लड़का	बालपन	–	बालक
	बुढ़ाया	–	बूढ़ा	प्रभुत्व	–	प्रभु
	शैराव	–	शिशु	गौरव	–	गर्व
	पशुता	–	पशु	व्यक्तित्व	–	व्यक्ति
	नेतृत्व	–	नेता	पंडित्य	–	पंडित

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के तीन मुख्य भेद हैं– व्यक्ति वाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञा।
3. किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जिन शब्दों से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध होता है, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें।

(ख)	---	रेशमा	व्याकरण सरोवर
		लड़की	पुस्तक
		सुंदरता	मोटाई
	गंगा	अनुज	मोटाई
	नदी	लड़का	साधु
	विशालता	खेल	त्याग

अध्याय-9 लिंग

बहुविकल्पी

1. दो 2. कुत्ता 3. तोती 4. पाठिका 5. इती लगाकर 6. पुल्लिग

लिखित प्रश्न

(क)	———	चिड़िया	———	कुम्हारिन
	———	हंसिनी	———	बहन
	———	युवती	———	अध्यक्षा
	———	नारी	———	ऊँटनी

(ख)
1. तप्स्वी तप कर रहा है।
2. सभी युवक नाच रहे हैं।
3. अध्यापिकाएँ छात्राओं को पढ़ा रही हैं।
4. धोबी कपड़े सुखा रहा है।
5. शेरनी बकरी को पकड़ने के लिए भागी।

(ग)	भावर	भाई	इया	ता
	दिखावर	पढ़ाई	बुढ़िया	मित्रता
	बनावट	लिखाई	कुतिया	दासता
	सजावट	चढ़ाई	चुहिया	शत्रुता

(घ)	भालू	बगुला	गीदड़	खरगोश	मगरमच्छ	(नित्य पुल्लिग)
	तितली	लोमड़ी	भेड़	मछली	कोयल	(नित्य स्त्रीलिंग)

मौखिक प्रश्न

1. पुरूष स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते हैं।
2. लिंग के दो भेद हैं- पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग।

गतिविधियाँ

(क)	पुल्लिग	-	हिमालय	चश्मा	गेहूँ	पीपल	चाल
	स्त्रीलिंग	-	गंगा	चिल्ना	मक्खी	नथ	पतीली

(ख) स्वयं करें।

(ग) पत्रकार - सरकार की ओर से बैठक के लिए पत्रकारों को आमंत्रित किया गया।

फोटोग्राफर - छत्तीसगढ़ में एक नक्सली हमले में दूरदर्शन के फोटोग्राफर की मौत हो गई।

प्रधानमंत्री - प्रधानमंत्री जी आज नार्वे के राष्ट्रपति से मिले।

पंच - गजियापुर ग्राम पंचायत के लिए तीन महिला पंच चुनी गई।

मुख्यमंत्री - बरात के कारण मुख्यमंत्री का कार्यक्रम स्थगित हो गया। है।

राष्ट्रपति - राष्ट्रपति जी ने परेड की सलामी ली।

डॉक्टर - डॉक्टर ने तीन दिन के विश्राम की सलाह दी है।

अध्याय-10 वचन

बहुविकल्पी

1. एकया अनेक का बोध कराने वाले शब्द 2. जनता 3. दर्शन
4. गुरूजन 5. दवाइयाँ

लिखित प्रश्न

(क) 1. बंदरो 2. खिलौने 3. भैंसे 4. पतंगें 5. जूते

(ख)

चूहियाँ	पुस्तकें
कवियों	महिलाएँ
बेटियाँ	छतें
गाएँ	छतें
टोपियाँ	पंखे

(ग)

भक्त	लेखक
बधाई	रात
भाभी	चिड़िया
रोटी	सीढ़ी

(घ) 1. पुस्तक 2. बस्ता 3. कन्याएँ 4. मछलियाँ 5. भैंसे

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्द संज्ञा के एक या अनेक होने का बोध कराते है, उन्हें वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद हैं- एकवचन व बहुवचन।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करे।

(ख) स्वयं करें

(ग) चिड़िया - पेड़ों पर चिड़ियाँ चहक रही हैं।

पतंग - रंग-बिरंगी पतंगे उड़ रही हैं।

गमला - इस गमले में तुलसी का पेड़ लगा है।

गुड़िया - जंगली कुत्ते हिंसक होते हैं।

माला - मालिन मालाएँ बना रही है।

अध्याय-11 कारक

बहुविकल्पी

1. कर्ता 2. अपादान 3. करण 4. अधिकरण 5. संबोधन 6. संप्रदान

लिखित प्रश्न

(क) 1. के लिए 2. को 3. में 4. से 5. द्‌वार 6. पर

(ख) 1. राजेश ने प्रतियोगिता जीत ली।
2. मोहन को बुलाओं।
3. चाकू से सेब काटो।
4. पिताजी श्यामा के लिए स्वेटर लाए।
5. पेड़ से पत्ते गिरते हैं।
6. रमन की साइकिल पंक्चर हो गई है।
7. छत पर तीन बंदर बैठे हैं।

(ग) 1. कप हाथ से गिर गया।
2. चाचा ने रमन को घड़ी दी।
3. सोनू ने पेंसिल से चित्र बनाया।
4. गिलहरी पेड़ पर चढ़ गई।
5. संगीता ने साबुन से बरतन धोए।

(घ)

कर्ता	ने
कर्म	को
करण	के द्‌वारा
संप्रदान	के लिए
अधिकरण	में

मौखिक प्रश्न

1. वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम का संबंध क्रिया के साथ जोड़ते है, उन्हें कारक कहते हैं।
2. कारक के आठ भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क)

के साथ	-	मोहन के साथ श्यामा भी जाएगी।
के द्‌वारा	-	अध्यापक के द्‌वारा निबंध पढ़ाया गया।
के लिए	-	बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा दीजिए।
पर	-	डाल पर बंदर बैठा है।
हे!	-	गंगा पहाड़ों से निकलती है।

(ख) 1. ______ करण कारक
2. ______ करण कारक
3. ______ करण कारक
4. ______ अपादान कारक
5. ______ अपादान कारक

अध्याय-12 सर्वनाम

बहुविकल्पी

1. संज्ञा के 2. छह 3. तीन 4. निवाचक सर्वनाम 5. अनिश्चयवाचक
6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

लिखित प्रश्न

(क) मैं - उत्तम पुरूषवाचक
स्वयं - निजवाचक
कोई - अनिश्चयवाचक
कौन - प्रश्नवाचक
तुम - मध्यम पुरूषवाचक

(ख) 1. उसने यह कार्य किया है।
2. मुझे घर जाना है।
3. मैं तुझसे नहीं बोलूँगा।
4. यह मुझे मालूम नहीं।
5. वे लोग आ गए हैं।
6. मुझसे पढ़ा नहीं जाता।

(ग) 1. वह 2. उसे 3. कौन 4. स्वयं 5. जो-वो 6. तुम्हारी, तुम 7. कुछ

(घ) उत्तम पुरुषवाचक - मैं हम मेरा
मध्यम पुरुषवाचक - तू तुम तुम्हारा
अन्य पुरूषवाचक - वह उसका उसे
अन्य पुरुषवाचक - वे यह ये
निश्चयवाचक - कोई कुछ
अनिश्चयवाचक - कौन क्या किसने
संबंधवाचक - जो जिसने जिसका
निजवाचक - खुद स्वयं

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
2. सर्वनाम के छह भेद हैं।
3. पुरूषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क) राधिका मैं .... आप ....।
...............। तुम ....। मैं ....।
अगर हमारा ....? उसे .... तुम ....।

(ख) हम - दादा जी के साथ हम भी पिकनिक जाएँगे।
तुम्हारा - तुम्हारा परीक्षा परिणाम कैसा रहा?

कुछ – दरवाजे के बाहर कुछ पड़ा है।
कौन – मोहन के साथ कौन आया है?
स्वयं – मैं स्वयं बाजार जाकर सामान ले आता हूँ
जैसा–वैसा – जैसा व्यवहार करोगे वैसा फलपाओगे।

अध्याय–13 विशेषण

बहुविकल्पी

1. गुणवाचक 2. सार्वनामिक 3. अनिश्चित परिमाणवाचक 4. अनिश्चित संख्यावाचक
5. दो लीटर दूध

लिखित प्रश्न

(क) 1. छोटी 2. बहादुर 3. बेईमान 4. थोड़ी 5. वे

(ख)

आगे	–	अगला	तैरना	–	तैराक
पंजाब	–	पंजाबी	वह	–	वैसा
पाप	–	पापी	कमाना	–	कमाऊ
प्यास	–	प्यासा	तीन	–	तीसरा

(ग) 1. गुणवाचक 2. निश्चित परिमाणवाचक
3. अनिश्चित परिमाणवाचक 4. अनिश्चित संख्यावाचक

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।
2. विशेषण के चार भेद हैं।
3. विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं जबकि जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है। उन्हें विशेषय कहते है।

गतिविधियाँ

1. ____________
2. हरे तोते – डाल पर दो हरे तोते बैठे हैं।
3. लाल टमाटर – डलिया में लाल टमाटर रखे हैं।
4. भूरी बिल्ली – भूरी बिल्ली दूध पी रही हैं।
5. सुंदर फूल – उद्यान में सुंदर फूल खिले हैं।
6. ताज़े फल – मैं सदैव ताज़े फल खाता हूँ।

अध्याय–14 क्रिया

बहुविकल्पी

1. क्रिया का मूल रूप 2. द्विकर्मक 3. ना
4. मुख्य क्रिया से पहले आने वाली क्रिया 5. थरथर

लिखित प्रश्न

(क) 1. कर दिया 2. धोकर 3. करूँगा 4. कर दिए 5. की
(ख) लजाना थरथराना

		शर्माना	थपथपाना		
		गरमाना	हिनहिनाना		
		सठियाना	तुतलाना		
(ग)	1. कबूतर दाना	2. मुझे	3. हमें, गीत	4. गीता, पुस्तक	5. बड़े भाई, पत्र

(घ) 1. सिपाही ने दो चार पकड़े।

2. तुमने यह कमीज़ कब खरीदी?

3. क्या यह चित्र तुमने बनाया है?

4. अध्यापक जी आज नही पढाएँगे।

5. माली ने पौधा लगाया।

6. क्या बच्ची सो गई?

(ङ)	पूर्व-क्रिया	संयु-क्रिया	सामान्य क्रिया	नाम क्रिया	प्रेर क्रिया
	पकड़कर	जा चुका है	हँसा	थपथपाना	पिटवाना
	नहाकर	चली गई	प्रकाश	हथियाना	जगवाना

मौखिक प्रश्न

1. जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए उसे क्रिया कहते हैं।
2. जिस क्रिया को कर्म की आवश्यकता होती है उसे सकर्मक क्रिया तथा जिसे अपने अर्थ की पूर्ति के लिए कर्म की आवश्यकता नहीं होती उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।
3. चार भेद हैं।
4. जिस क्रिया को कर्ता स्वंय ने करके किसी अन्य को करने के लिए प्रेरित करता है, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
5. झूठ-झूठलाना   शर्म - शर्माना   लज्जा - लजान
   चक्कर-चकराना   साठ- सठियाना

गतिविधियाँ

(क)
लिख - लिखो, लिखा, लिख लिया, लिख चुका,
पढ़ - पढ़ा, पढ़ना, पढ़ेगा, पढ़ो
जग - जगना, जागो, जाग रहा है, जागेगा
देख - देखो देखेगा, देख चुका है, जागेगा
चल - चलना, चलोगे, चल रहा है, चला
बजा - बजाओ, बजाएगा, बजा लिया

(ख)

गिरना -	गिराना	गिरवाना
चलना -	चलाना	चलवाना
धोना -	धुलाना	धुलवाना
जीतना -	जिताना	जितवाना
मिलना -	मिलाना	मिलवाना
पीटना -	पिटाना	पिटवाना

अध्याय-15 काल

बहुविकल्पी

1. तीन 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल 4. वर्तमान काल

लिखित प्रश्न

1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल 4. भूतकाल
5. वर्तमान काल 6. भविष्यत, काल

मौखिक प्रश्न

1. जिस श्ब्द से क्रिया के होने के समय का पता चले उसे काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद हैं- वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत काल।

गतिविधियाँ

वर्तमान - 1. घोड़ा दौड़ रहा है।
2. गाय घास खाती है।
3. किरण सुबह व्यायाम करती है।

भूतकाल - 1. ईद का चाँद निकल चुका है।
2. रामायण का पाठ समाप्त हो गया।

भविष्यत् काल -1. गौतम कल अंतिम मैच खेलेगें।
2. मामी को बहादुरी का पुरस्कार दिया जाएगा।
3. काले बादल संकेत कर रहे है कि वर्षा होगी।

अध्याय-16 क्रिया विशेषण

बहुविकल्पी

1. स्थानवाचक 2. रीतिवाचक 3. परिमाण वाचक 4. क्रिया की 5. विशेषण का

लिखित प्रश्न

(क) 1. तेज़ - विशेषण
तेज़ - क्रियाविशेषण
2. अच्छा - क्रियाविशेषण
अच्छा - विशेषण
3. कम - विशेषण
कम - क्रियाविशेषण
4. मधुर - विशेषण
मधुर - क्रियाविशेषण

(ख) 1. रातभर - कालवाचक
2. वहीं - स्थानवाचक
3. कब - कालवाचक
4. तेज - रीतिवाचक
5. बिलकुल - परिमाणवाचक
6. धीरे - रीतिवाचक
7. खूब - परिमाणवाचक
8. कहाँ - स्थानवाचक

(ग) 1. धीरे 2. अचानक 3. कम 4. बहुत 5. अंदर 6. थोड़ा

(घ) खूब - मेरे पास खूब धन है। खूब खाया करो।
कुछ - कुछ बालक खेल रहे हैं। रमन कुछ खाता है।
एक - एक तरफ खड़े हो जाओं मेरे लिए एक साइकिल लाओ।
कम - कम खाया करो। एक बालक कम था।

बहुत - आज बहुत थक गया। बहुत से बालक गैर हाजिर थे।

अच्छा - रमन अच्छा लिखता है। सतीश अच्छा बालक है।

मधुर - शीला मधुर आती है। उसकी आवाज बहुत मधुर है।

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रियाविशेषण के चार भेद हैं।
3. परिमाणवाचक विशेषण संज्ञा शब्दों की परिमाण संबंधी विशेषता बताते है जबकि परिमाणवाचक क्रियाविशेषण क्रिया की परिमाण संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं।

गतिविधियाँ

(क)	**तभी**	**ठीक**	**यहाँ**	**जैसे**
	पास	जब	कम	
	वहाँ	उतना	वैसे	

(ख) धीरे-धीरे - कछुआ धीरे-धीरे चल रहा है।

तेजी से - बंदर तेजी से आया।

इधर-उधर - इधर-उधर देखकर चलो।

अभी - मैं अभी आता हूँ।

कब - तुम कब आओगे?

आगे - आगे-आगे चलते रहो।

नीचे - नीचे बेठो।

अध्याय-17 समुच्चयबोधक संबंधबोधक तथा विस्मयादिबोधक

बहुविकल्पी

1. स्थानवाचक 2. कारकवाचक 3. समानाधिकरण 4. चुप 5. हाय!

लिखित प्रश्न

(क) 1. के मारे 2. के खिलाफ 3. के चारों ओर

4. के सामने 5. के साथ 6. के बिना

(ख) 1. और 2. किंतु 3. इसलिए 4. तथापि

5. या 6. ताकि

(ख) हाय-हाय! - हाय-हाय! मैं तो बरबाद हो गया।

बाप रे! - बाप रे! इतना लंबा साँप।

सावधान! - सावधान! आगे गहरा नाला है।

शाबाश! - शाबाश! ऐसे ही तरक्की करते रहो।

छि:छि:! - छि: छि: मंदिर में ऐसी बातें।

जय हो। - जय हो! बड़े सरकार की।

(घ) 1. $\rightarrow 3$ 3. $\rightarrow 5$ 5. $\rightarrow 3$

2. $\rightarrow 4$ 4. $\rightarrow 1$

मौखिक प्रश्न

1. मन लगाकर काम करने ताकि तरक्की हो जाए।
2. श्याम और बलराम खेल रहे हैं।
3. फाइनल मैच में मैं अथवा रोहन खेलेगा।
4. पिताजी बीमार हैं इसलिए मुझे ही बैंक जाना पड़ेगा।
5. गृह कार्य कर लो अन्यथा शिक्षक के दंड के लिए तैयार रहो।
6. क्योंकि आज घर पर बहुत काम का इसलिए मैं नहीं आ सका।

(ख) 1. वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।
2. अरे! तुम आ गए।
3. बाप रे! इतना बड़ा साँप।
4. क्या! वह पकड़ा गया।
5. हाय! मेरी तो दुनिया ही लुट गई।

अध्याय-18 शब्द भंडार

बहुविकल्पी

1. आकांक्षा 2. जनधर 3. अनीश्वर 4. पंखा 5. इतिहासकार

लिखित प्रश्न

(क)

बादल	-	मेघ	घन	वन	-	जंगल	कानन
चंद्रमा	-	शशि	राकेश	स्त्री	-	अबला	नारी
कमल	-	पंकज	नीरज	नदी	-	सरिता	सलिला
वायु	-	पवन	समीर	पक्षी	-	खग	नभचर
अमृत	-	सोम	अमिय	नाव	-	तरणी	नौका

(ख)

आकाश	×	पाताल	क्रुद्ध	×	प्रसन्न
सरस	×	नीरस	कृतक्ष	×	कृतध्न
उपकार	×	अपकार	इच्छा	×	अनच्छिा
इहलोक	×	परलोक	सज्जन	×	दुर्जन
बंधन	×	मुक्ति	स्थूल	×	सूक्ष्म

(ग)

1. ________	अतिथि	2. ________	अमर
2. ________	साकार	6. ________	दुर्लभ
3. ________	अनंत	7. ________	सर्वज्ञ
4. ________	दूरदर्शी	8. ________	आपरिचित

(घ)

अंक	-	गोद	संख्या	कर	-	करना	हाथ
घन	-	बादल	हथौड़ा	जीवन	-	प्राण	जल
हरि	-	ईश्वर	बंदर	जलज	-	कमल	मोती
सुर	-	देवता	स्वर (आवाज)	पृष्ठ	-	पन्ना	पिछला
चीर	-	वस्त्र	चीरना	सिंधु	-	सागर	नदी/देश का नाम

(ङ) 1. ________ आसान 4. ________ गिराकार

2. ________ वैष्णव 5. ________ अनंत

3. ________ अतिथि 6. ________ दर्शनीय

मौखिक प्रश्न

1. समान अर्थ व्यक्त करने वाले शब्द समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
2. विपरीत अर्थ व्यक्त करने वाले शहर विलोम शब्द कहलाते है
3. एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं।

गतिविधियाँ

(क)	मित्र	×	शत्रु	सरल	×	कठिन
	दिन	×	रात	जय	×	पराजय
	आशा	×	निराशा	उदार	×	कृपण
(ख)	बाल	–	बालक	घट	–	घड़ा
	चीर	–	वस्त्र	पानी	–	कांति
	उत्तर	–	जवाब	विधि	–	भाग्य
	पत्र	–	चिट्ठील	अर्थ	–	धन

अध्याय-19 वाक्य

बहुविकल्पी

(क)	**उद्देश्य**	**विधेय**
1.	रमन	बाजार फल खरीदने गया है।
2.	पड़ोस के सभी छोटे बच्चे	उद्मान मे खेल रहे हैं।
3.	बैल	खेत में घुसकर चर रहा है।
4.	सूरज	पूर्ण दिशा में उदय हो रहा है।
5.	लक्ष्मी	अपने घर जा रही है।
6.	सीमा ने	स्वादिष्ट खीर बनाई।

(ख)

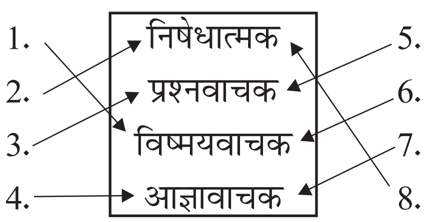

अध्याय-20 मुहावरे

लिखित प्रश्न

(क)	1. → 4	4. → 3
	2. → 5	5. → 1
	3. → 6	6. → 2

(ख) 1. अपनी उम्र या स्थिति से बढ़ चढ़कर बातें करना
2. बलवान की जीत होती है।
3. अपनी बुराई न दिखाई देना।
4. वस्तु एक चाहने वाले अनेक।
5. सही न्याय करना।

(ग)

अंग-अंग ढीला होना	-	बहुत थक जाना
आँख दिखाना	-	क्रोध करना
न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी	-	कार्य के कारणको ही समाप्त कर देना
रँगा सियार	-	धूर्त
जिसकी लठी उसकी भैंस	-	ताकतवर से सभी डरते हैं।
ऊँची दुकान फीका पकवान	-	दिखावा अधि, वस्तविकता कम

(घ)

मुहावरा	**अर्थ**
ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
चिकना घड़ा	कोई असर न होना
आँखे खुलना	होश आना
घी के दीये जलाना	खुशियाँ मनाना

अध्याय-21 विराम-चिह्न

लिखित प्रश्न

(क) 1. अरे! इतनी सी जमीन क्या थोड़ी है।
2. उसने आलू, गाजर, टमाटर व पालक खरीदी।
3. सुमन क्या कर रही है?
4. सपना ने कहा-मैं घर जा रही हूँ।
5. प्रवेश दिन-रात पढ़ता है।
6. शाबाश! तुमसे यही आशा थी।
7. चाणक्य कौन था?
8. बाबा जी! अब यह घोड़ान दूँगा।
9. हाय! बेचारा कुत्ता मर गया।
10. नेताजी ने कहा, "दिल्ली चलो"।

(ख)

(?)	प्रश्नवाचक चिह्न	तुम्हारे साथ कौन आया है?
(!)	विस्ममवाचक	अरे! यह क्या कर रहे हो?

(।)	पूर्ण विराम	सभी छात्र बैठ जाएँ।
(,)	अल्प विराम	मोहन, सोहन, पिंकी और रवीना मेला देखने जा रहे हैं।
("..........")	उद्धरण चिह्न	अध्यापक ने कहाँ "ईमानदारी से काम करो।"
(-)	भोजक चिह्न	राम-लक्ष्मण बन को गए।
(–)	निर्देशक चिह्न	रमा लक्ष्मण से – तुम कही रहना, मैं मृग का पीछा करता हूँ।

(ग) 1. ✓ 1. ✗ 1. ✓ 1. ✗